भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 1771
सोमवार, 9 मार्च, 2026 (18 फाल्गुन 1947 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

नांदेड़ विमानपत्तन पर अवसंरचना सुदृढ़ीकरण और उड़ान प्रचालनों का विस्तार

1771. डा. अजित माधवराव गोपछड़ेः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार महाराष्ट्र राज्य के नांदेड़ विमानपत्तन पर चहारदीवारी/परिसर की दीवार की मरम्मत, सुदृढ़ीकरण और उन्नयन की आवश्यकता से अवगत है;

(ख) क्या केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र सरकार के समन्वय से उक्त विमानपत्तन पर अग्नि सुरक्षा प्रणालियों, विमान में ईंधन भरने की सुविधाओं को उन्नत करने और रनवे अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए कदम उठाए हैं;

(ग) इस संबंध में स्वीकृत निधियों और पूर्ण या निर्माणाधीन कार्यों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का नांदेड़ विमानपत्तन से उड़ान प्रचालनों और हवाई संपर्क बढ़ाने का प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): महाराष्ट्र एयरपोर्ट डेवलपमेंट कंपनी (एमएडीसी) ने नांदेड़ हवाईअड्डे पर अनेक विकास और मरम्मत कार्य शुरू किए हैं, जिनमें हवाईअड्डे की परिधि/परिसर दीवार को मजबूत और अपग्रेड करना शामिल है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के समन्वयन में, रनवे रीकार्पेटिंग, रनवे स्ट्रिप ग्रेडिंग और परिधि रोड के पुनर्निर्माण जैसे कार्य भी अवार्ड किए गए हैं। अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं को बढ़ाने के लिए, एमएडीसी ने दो एयरफील्ड फायर क्रैश टेंडर की खरीद की है, और हवाईअड्डे पर वर्तमान में ईंधन भरने की सुविधाएं मौजूद हैं। महाराष्ट्र सरकार ने विकास और मरम्मत के इन कार्यों को निष्पादित करने के लिए 157.05 करोड़ रुपये की प्रशासनिक और वित्तीय मंजूरी प्रदान की है।

(घ): वर्तमान में, नांदेड़ हवाईअड्डा प्रतिदिन औसतन 10 उड़ान संचलनों को हैंडल कर रहा है। एयरलाइन प्रचालकों ने आगामी ग्रीष्म अनुसूची में चार अतिरिक्त मार्ग दायर किए हैं।

*****